

51 मंत्र संग्रह

संग्रहकर्ता राज कुमार

पेज सं -1

इस पुस्तक में जो मंत्र हैं , वे प्रामाणिक हैं , परन्तु सफलता या असफलता के पीछे साधक का विवेक , श्रद्धा व विश्वास मुख्य रूप से प्रभावक रहती हैं | अत: मंत्र साधना की सफलता - असफलता के प्रति प्रकाशक या लेखक किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं हैं | अत: उनके सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की आलोचना या आपति इस पुस्तक के लेखक को मान्य नहीं होगा |



लेखक : राज कुमार

मांत्रिक

अक्षर मन्त्र तन्त्र यन्त्र

Address : J 34/209,West Sagar pur, New Delhi110046.India

Email : [aksharmty@ymail.com](mailto:aksharmty@ymail.com)

Phone No. +91-9213816442

पेज सं -2

इस पुस्तक जीवन में उपयोगी 51 मन्त्रों का संग्रह हैं| इन मंत्रों का उपयोग करके जीवन में आ रहे समस्याओं को दूर करके जीवन को सुगम बनाया जा सकता हैं| हालांकि सभी मन्त्र अपने आप मे शक्तिशाली होती हैं ओर सभी इच्छाओ को पूरा करने में समर्थ होती हैं । लेकिन मन्त्र श्रद्धा व विश्वास पर काम करती हैं । इसलिए मन्त्र से परिणाम प्राप्त होने में समय लग जाता हैं । इसलिए मेरा अनुरोध हैं कि साधकों से साधना को पूरा करें । यदि कभी परिणाम मिलने में देर हो तो धैर्य रखते हुए साधना पूरा करें । कई बार एक साधना को 3 बार करने पर कार्य सिद्धि होती हैं।

मंत्रों का उपयोग करने से पहले किसी जानकार व्यक्ति से सलाह लेकर करें । किसी भी साधना में सफलता - असफलता साधक की मानसिक स्थिति , श्रद्धा व विश्वास के अनुसार प्राप्त होगी ।

संग्रहकर्ता साधना में लाभ-हानि की कोई जिम्मेदारी नहीं लेता ।

संग्रहकर्ता

राज कुमार

तिथि : 21-05-2021

पेज सं -3

मेरे बारे में

मुझे बचपन से ही मंत्र का शोक रहा हैं | इसलिए मंत्र विद्या को समझने के लिए कई जानकार लोगों के संपर्क में आया | लेकिन मंत्र को सही तरीके से समझने में मुझे मेरे स्कूल के एक मित्र ने और मेरे परिवार का विशेष सहयोग रहा हैं | उन्होंने मुझे मंत्र व ध्यान के आधारिक स्तर की कई जानकारी दी साथ ही आभ्यास भी करवाया |

विशेष व्यक्ति के रूप में मुझे गुरुदेव मिले , जिनकी जानकारी मुझे मेरे भाई साहब से ही मिली थी | कई महीने के कोशिश के बाद मुझे गुरुजी से मिलने का मौका मिला ओर मन्त्र दीक्षा को प्राप्त किया |

गुरुजी से कई मन्त्र दीक्षा लेकर मन्त्र अभ्यास के बाद ,मैंने गुरुजी से मन्त्र ज्ञान को समाज में प्रसारित करने की अनुमति माँगी तो उन्होंने मुझे उनके नाम का उपयोग न करते हुए समाज में अपनी पहचान बनाने की अनुमति दी | जिसे के बाद मैंने " अक्षर मन्त्र तन्त्र यन्त्र " को शुरू किया ओर कई लोगों को मंत्र की शिक्षा व दीक्षा भी दी |

आज covid 19 के कारण सारा विश्व बंद हैं ओर मेरा अभियान रुकता नजर आ रहा हैं | तब मैंने गुरु साधना के माध्यम से गुरुदेव से संपर्क कर मन की व्यथा बताया तो गुरुजी ने कहा अब तुम अपने ज्ञान को पुस्तक के रूप में बदल कर समाज को मन्त्र का ज्ञान दे सकते हो |

इसलिए मैंने लेखन शुरू की , यह मेरी पहली लेखन हैं | फिर भी मैंने अपने तरफ से कोशिश की हैं मुख्य मुख्य मन्त्र को संग्रह करके आप सभी को दूँ |

मन्त्र संग्रहकर्ता

राज कुमार

पेज सं -4

मन्त्र सं 1

गुरु मंत्र

ॐ ह्रीं गुरुभ्यो नमः

जन्म-जन्मांतर के गुरु कृपा को और सिद्धि को प्राप्त करने के लिए गुरु मन्त्र से अधिक उपयोगी मन्त्र कोई नहीं |

पूजन सामग्री : कुमकुम , धुप ,दीप,नैवेद्य,पुष्प

साधना सामग्री : गुरु यन्त्र , गुरु फोटो , स्फटिक माला

साधना दिवस : गुरुवार

साधना समय : दिन या रात को कोई भी समय

आसन रंग : पीला

दिशा : उत्तर

जप संख्या : 21 माला प्रतिदिन

अवधि : 51 दिन

मन्त्र सं 2

चैतन्य मन्त्र

ॐ ह्रीं मम प्राण देहि रोम प्रतिरोम चैतन्यै जाग्रय ह्रीं ॐ नमः

रोम रोम को सक्रिय व चैतन्य करने के लिए |

पूजन सामग्री : कुमकुम , धुप ,दीप,नैवेद्य,पुष्प

साधना सामग्री : गुरु यन्त्र , गुरु फोटो , स्फटिक माला

साधना दिवस : गुरुवार

साधना समय : दिन या रात को कोई भी समय

आसन रंग : पीला

पेज सं -5

दिशा : उत्तर

जप संख्या : 21 माला प्रतिदिन

अवधि : 51 दिन

मन्त्र सं 3

गुरु को प्रसन्न करने का मन्त्र

ॐ ह्रीं गुरौ प्रसीद ह्रीं ॐ

गुरु को प्रसन्न करके मनोवांछित सिद्धि प्राप्त करने के लिए |

पूजन सामग्री : कुमकुम , धुप ,दीप,नैवेद्य,पुष्प

साधना सामग्री : गुरु यन्त्र , गुरु फोटो , स्फटिक माला

साधना दिवस : गुरुवार

साधना समय : दिन या रात को कोई भी समय

आसन रंग : पीला

दिशा : उत्तर

जप संख्या : 21 माला प्रतिदिन

अवधि : 51 दिन

मन्त्र सं 4

गणपति मन्त्र

ॐ ह्रीं गण गणपतये गण ह्रीं श्रीं नमः

गणपति मन्त्र सर्व कार्य सिद्धि के लिए |

पूजन सामग्री : कुमकुम , धुप ,दीप,नैवेद्य,पुष्प

साधना सामग्री : गणपति यन्त्र , गणपति फोटो , हरी हकीक माला

पेज सं -6

साधना दिवस : बुधवार

साधना समय : दिन को कोई भी समय

आसन रंग : पीला

दिशा : उत्तर

जप संख्या : 21 माला प्रतिदिन

अवधि : 51 दिन

मन्त्र सं 5

सर्व कार्य सिद्धि मन्त्र

ॐ ह्रीं ऐं कार्य साफल्यं सिद्धये ॐ फट

पूजन सामग्री : कुमकुम , धुप ,दीप,नैवेद्य,पुष्प

साधना सामग्री : 21 इलायची

साधना दिवस : प्रतिदिन

साधना समय : दिन या रात को कोई भी समय

आसन रंग : पीला

दिशा : उत्तर

जप संख्या : 51 बार प्रतिदिन

मन्त्र सं 6

लक्ष्मी प्राप्ति के लिए मन्त्र

ॐ श्रीं अनन्ताय नमः

पेज सं -7

पूजन सामग्री : कमलगट्टे के वीज

साधना दिवस : अनन्त चतुर्दशी के दिन

साधना समय : दिन या रात को कोई भी समय

आसन रंग : पीला

दिशा : उत्तर

जप संख्या : अनन्त चतुर्दशी के दिन कमलगट्टे के वीज से 108 बार आहुति दे

मन्त्र सं 7

इष्ट के दर्शन के लिए

ॐ ह्रीं श्रीं इष्ट दर्शय दर्शय श्रीं ह्रीं ॐ फट

पूजन सामग्री : कुमकुम , धुप ,दीप,नैवेद्य,पुष्प

साधना सामग्री : इष्ट यन्त्र , इष्ट फोटो , काली हकीक माला

साधना दिवस : कार्तिक महीना

साधना समय : दिन या रात को कोई भी समय

आसन रंग : पीला

दिशा : उत्तर

जप संख्या : 21 माला प्रतिदिन

अवधि : 1 महीना

पेज सं - 8

मन्त्र सं 8

रोग मुक्ति के लिए

ॐ कलीम वं कलीम रोग निवारणाय फट

साधना सामग्री : पानी

साधना समय : दिन या रात को कोई भी समय

दिशा : उत्तर

जप संख्या : 101 बार प्रतिदिन , मन्त्र जप करके घर की और रोगी की शुद्धि करें

अवधि : 51 दिन

मन्त्र सं 9

निराशा होने पर

ॐ हुं हुं फट

पूजन सामग्री : 2पुष्प

साधना समय : दिन को कोई भी समय

दिशा : उत्तर

जप संख्या : 21 बार प्रतिदिन

अवधि : 5 दिन

21 बार मन्त्र जप करके बाद रोज , पुष्प को मन्दिर में चढ़े

पेज सं -9

मन्त्र सं 10

सूर्य मंत्र

ॐ घृणि सूर्याय नम:

पूजन सामग्री : कुमकुम , धुप ,दीप,नैवेद्य,पुष्प

साधना सामग्री : पानी

साधना समय : सुबह के समय

जप संख्या : 21 बार प्रतिदिन

मन्त्र सं 11

मनोकामना पूर्ति मंत्र

ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं मनोवांछित ॐ फट

पूजन सामग्री : पानी

साधना सामग्री : लक्ष्मी मूर्ति

साधना दिवस : शनि वार

साधना समय : दिन को कोई भी समय

आसन रंग : पीला

दिशा : उत्तर

जप संख्या : 108 बार प्रत्येक शनिवार

अवधि : 21 सप्ताह

पेज सं -10

मन्त्र सं 12

पंचमुखी रुद्राक्ष लक्ष्मी मंत्र

ॐ ऐं श्रीं कमलधारिणी हंस: सिद्धये ॐ नमः

पूजन सामग्री : कुमकुम , धुप ,दीप,नैवेद्य,पुष्प

साधना सामग्री : एक पंचमुखी रुद्राक्ष

साधना दिवस : सोमवार

साधना समय : दिन मे कोई भी समय

आसन रंग : पीला

दिशा : उत्तर

जप संख्या : 45 मिनट प्रत्येक सोमवार

अवधि : 2 1 सोमवार

मंत्र जप के बाद रुद्राक्ष गले मे धारण करें

मन्त्र सं 13

सम्मोहन मंत्र

ॐ क्लीं सम्मोहनाय फट

पूजन सामग्री : कुमकुम , धुप ,दीप,नैवेद्य,लाल पुष्प

साधना सामग्री : काली फोटो , स्फटिक माला

साधना दिवस : शुक्रवार

साधना समय : रात को कोई भी समय

आसन रंग : पीला

पेज सं -11

दिशा : उत्तर

जप संख्या : 11 माला प्रतिदिन

अवधि : 51 दिन

मन्त्र सं 14

सफलता प्राप्त करने के लिए मन्त्र

ॐ ह्रीं वागवादिनी भगवती मां कार्य सिद्धि करि करि स्वाहा

पूजन सामग्री : कुमकुम , धुप ,दीप,नैवेद्य,पुष्प

साधना सामग्री : सरस्वती फोटो , स्फटिक माला

साधना दिवस : सोमवार

साधना समय : दिन को कोई भी समय

आसन रंग : सफेद

दिशा : उत्तर / पूर्व

जप संख्या : 21 माला प्रतिदिन

अवधि : 11 दिन

मन्त्र सं 15

काली मन्त्र

क्रीं क्रीं क्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं हुँ हुँ हुँ दक्षिणे कालिके क्रीं क्रीं क्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं हुँ हुँ हुँ स्वाहा

पूजन सामग्री : कुमकुम , धुप ,दीप,नैवेद्य,पुष्प

साधना सामग्री : काली यन्त्र , काली फोटो , पारद माला

पेज सं -12

साधना दिवस : शनिवार

साधना समय : रात को कोई भी समय

आसन रंग : सफेद सूती

दिशा : दक्षिण

जप संख्या : 125000

अवधि : 51 दिन

मन्त्र सं 16

तारा मंत्र

ऐं ओं ह्रीं क्लीं हुँ फट

पूजन सामग्री : कुमकुम , धुप ,दीप,नैवेद्य,पुष्प

साधना सामग्री : तारा यन्त्र , तारा फोटो , पीली हकीक माला

साधना दिवस : सोमवार

साधना समय : रात को कोई भी समय

आसन रंग : गुलाबी ऊनी

दिशा : पश्चिम

जप संख्या : 125000

अवधि : 51 दिन

मन्त्र सं 17

षोडशी मंत्र

पेज सं -13

ह्रीं कएईल ह्रीं हसकहल ह्रीं सकल ह्रीं

पूजन सामग्री : कुमकुम , धुप ,दीप,नैवेद्य,पुष्प

साधना सामग्री : षोडशी यन्त्र , षोडशी फोटो , पारद माला

साधना दिवस : बुधवार

साधना समय : रात को कोई भी समय

आसन रंग : सफेद

दिशा : उत्तर

जप संख्या : 125000

अवधि : 51 दिन

मन्त्र सं 17

भुवनेश्वरी मंत्र

ह्रीं

पूजन सामग्री : कुमकुम , धुप ,दीप,नैवेद्य,पुष्प

साधना सामग्री : भुवनेश्वरी यन्त्र , भुवनेश्वरी फोटो , पारद माला

साधना दिवस : सोमवार

साधना समय : रात को कोई भी समय

आसन रंग : सफेद

दिशा : पूर्व

जप संख्या : 125000

अवधि : 51 दिन

पेज सं -14

मन्त्र सं 18

छिन्नमस्ता मंत्र

श्रीं ह्रीं क्लीं ऐं वज्र वैरोचनीये हुँ हुँ फट स्वाहा

पूजन सामग्री : कुमकुम , धुप ,दीप,नैवेद्य,पुष्प

साधना सामग्री : छिन्नमस्ता यन्त्र , छिन्नमस्ता फोटो , लाल हकीक माला

साधना दिवस : शनिवार

साधना समय : रात को कोई भी समय

आसन रंग : काला

दिशा : दक्षिण

जप संख्या : 125000

अवधि : 51 दिन

मन्त्र सं 19

त्रिपुर भैरवी मन्त्र

ह सैं ह स क ऋ ह सैं

पूजन सामग्री : कुमकुम , धुप ,दीप,नैवेद्य,पुष्प

साधना सामग्री : त्रिपुर भैरवी यन्त्र , त्रिपुर भैरवी फोटो , स्फटिक माला

साधना दिवस : मंगलवार

साधना समय : रात को कोई भी समय

आसन रंग : गुलाबी

दिशा : उत्तर

जप संख्या : 125000

पेज सं -15

अवधि : 51 दिन

मन्त्र सं 20

धुमावती मन्त्र

धूँ धूँ धुमावती ठ: ठ:

पूजन सामग्री : कुमकुम , धुप ,दीप,नैवेद्य,पुष्प

साधना सामग्री : धुमावती यन्त्र , धुमावती फोटो , स्फटिक माला

साधना दिवस : शनिवार

साधना समय : रात को कोई भी समय

आसन : कुशासन

दिशा : दक्षिण

जप संख्या : 125000

अवधि : 51 दिन

मन्त्र सं 21

बगलामुखी मन्त्र

ॐ ह्रीं बगलामुखी सर्व दुष्टानां वाचं मुखं पदं स्तंभय जिवहां किलय बुद्धिविनाशय ह्रीं ॐ फट

पूजन सामग्री : कुमकुम , धुप ,दीप,नैवेद्य,पुष्प

साधना सामग्री : बगलामुखी यन्त्र , बगलामुखी फोटो , पीली हकीक माला

साधना दिवस : रविवार

पेज सं -16

साधना समय : रात को कोई भी समय

आसन : पीले रंग का आसन

दिशा : पश्चिम

जप संख्या : 125000

अवधि : 51 दिन

मन्त्र सं 22

मातंगी मन्त्र

ॐ ह्रीं क्लीं हूं मातंगये फट स्वाहा

पूजन सामग्री : कुमकुम , धुप ,दीप,नैवेद्य,पुष्प

साधना सामग्री : मातंगी यन्त्र , मातंगी फोटो , मूँगे माला

साधना दिवस : रविवार

साधना समय : रात को कोई भी समय

आसन : गुलाबी रंग

दिशा : पश्चिम

जप संख्या : 125000

अवधि : 51 दिन

मन्त्र सं 23

कमला मन्त्र

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं क्लीं ह्र सौ: जगतप्रसूतये नमः

पेज सं -17

पूजन सामग्री : कुमकुम , धुप ,दीप,नैवेद्य,पुष्प

साधना सामग्री : कमला यन्त्र , कमला फोटो , कमलगट्टे की माला

साधना दिवस : सोमवार

साधना समय : रात को कोई भी समय

आसन रंग : सफेद

दिशा : उत्तर

जप संख्या : 125000

अवधि : 51 दिन

मन्त्र सं 24

हनुमान मन्त्र

ॐ हनु हनुमानते नमः

पूजन सामग्री : कुमकुम , धुप ,दीप,नैवेद्य,पुष्प

साधना सामग्री : हनुमान यन्त्र , हनुमान फोटो , मूँगे की माला

साधना दिवस : मंगलवार

साधना समय : रात को कोई भी समय

आसन रंग : सफेद

दिशा : पश्चिम

जप संख्या : 125000

अवधि : 51 दिन

मन्त्र सं 25

वाक मन्त्र

पेज सं -18

ॐ अं ॐ

पूजन सामग्री : कुमकुम , धुप ,दीप,नैवेद्य,पुष्प

साधना सामग्री : गुरु यन्त्र , गुरु फोटो , स्फाटिक की माला

साधना दिवस : गुरु वार

साधना समय : नवरात्रि के दिन को कोई भी समय

आसन रंग : पीला

दिशा : उतर

जप संख्या : 125000

अवधि : 9 दिन

मन्त्र सं 26

सामधि मन्त्र

ॐ कं ॐ

पूजन सामग्री : कुमकुम , धुप ,दीप,नैवेद्य,पुष्प

साधना सामग्री : गुरु यन्त्र , गुरु फोटो , स्फाटिक की माला

साधना दिवस : गुरु वार

साधना समय : नवरात्रि के दिन को कोई भी समय

आसन रंग : पीला

दिशा : उतर

जप संख्या : 125000

अवधि : 9 दिन

पेज सं -19

मन्त्र सं 27

काल ज्ञान मन्त्र

ॐ चं ॐ

पूजन सामग्री : कुमकुम , धुप ,दीप,नैवेद्य,पुष्प

साधना सामग्री : गुरु यन्त्र , गुरु फोटो , स्फाटिक की माला

साधना दिवस : गुरु वार

साधना समय : नवरात्रि के दिन को कोई भी समय

आसन रंग : पीला

दिशा : उतर

जप संख्या : 125000

अवधि : 9 दिन

मन्त्र सं 28

टेली पैथी मन्त्र

ॐ छं ॐ

पूजन सामग्री : कुमकुम , धुप ,दीप,नैवेद्य,पुष्प

साधना सामग्री : गुरु यन्त्र , गुरु फोटो , स्फाटिक की माला

साधना दिवस : गुरु वार

साधना समय : नवरात्रि के दिन को कोई भी समय

आसन रंग : पीला

दिशा : उतर

पेज सं -20

जप संख्या : 125000

अवधि : 9 दिन

मन्त्र सं 29

भौतिक सुख मन्त्र

ॐ लं ॐ

पूजन सामग्री : कुमकुम , धुप ,दीप,नैवेद्य,पुष्प

साधना सामग्री : गुरु यन्त्र , गुरु फोटो , स्फाटिक की माला

साधना दिवस : गुरु वार

साधना समय : नवरात्रि के दिन को कोई भी समय

आसन रंग : पीला

दिशा : उतर

जप संख्या : 125000

अवधि : 9 दिन

मन्त्र सं 30

प्राण शक्ति की वृद्धि मन्त्र

ॐ वं ॐ

पूजन सामग्री : कुमकुम , धुप ,दीप,नैवेद्य,पुष्प

साधना सामग्री : गुरु यन्त्र , गुरु फोटो , स्फाटिक की माला

साधना दिवस : गुरु वार

पेज सं -21

साधना समय : नवरात्रि के दिन को कोई भी समय

आसन रंग : पीला

दिशा : उतर

जप संख्या : 125000

अवधि : 9 दिन

मन्त्र सं 31

रोग मुक्ति मन्त्र

ॐ रं ॐ

पूजन सामग्री : कुमकुम , धुप ,दीप,नैवेद्य,पुष्प

साधना सामग्री : गुरु यन्त्र , गुरु फोटो , स्फाटिक की माला

साधना दिवस : गुरु वार

साधना समय : नवरात्रि के दिन को कोई भी समय

आसन रंग : पीला

दिशा : उतर

जप संख्या : 125000

अवधि : 9 दिन

मन्त्र सं 32

शत्रु निवारण मन्त्र

ॐ हं ॐ

पेज सं - 22

पूजन सामग्री : कुमकुम , धुप ,दीप,नैवेद्य,पुष्प

साधना सामग्री : गुरु यन्त्र , गुरु फोटो , स्फाटिक की माला

साधना दिवस : गुरु वार

साधना समय : नवरात्रि के दिन को कोई भी समय

आसन रंग : पीला

दिशा : उतर

जप संख्या : 125000

अवधि : 9 दिन

मन्त्र सं 33

भक्ति के लिए मन्त्र

ॐ श्रीं ॐ

पूजन सामग्री : कुमकुम , धुप ,दीप,नैवेद्य,पुष्प

साधना सामग्री : गुरु यन्त्र , गुरु फोटो , स्फाटिक की माला

साधना दिवस : गुरु वार

साधना समय : नवरात्रि के दिन को कोई भी समय

आसन रंग : पीला

दिशा : उतर

जप संख्या : 125000

अवधि : 9 दिन

पेज सं -23

मन्त्र सं 34

धन के लिए मन्त्र

ॐ ह्रीं ॐ

पूजन सामग्री : कुमकुम , धुप ,दीप,नैवेद्य,पुष्प

साधना सामग्री : गुरु यन्त्र , गुरु फोटो , स्फाटिक की माला

साधना दिवस : गुरु वार

साधना समय : नवरात्रि के दिन को कोई भी समय

आसन रंग : पीला

दिशा : उतर

जप संख्या : 125000

अवधि : 9 दिन

मन्त्र सं 35

इष्ट दर्शन के लिए मन्त्र

ॐ यं ॐ

पूजन सामग्री : कुमकुम , धुप ,दीप,नैवेद्य,पुष्प

साधना सामग्री : गुरु यन्त्र , गुरु फोटो , स्फाटिक की माला

साधना दिवस : गुरु वार

पेज सं -24

साधना समय : नवरात्रि के दिन को कोई भी समय

आसन रंग : पीला

दिशा : उतर

जप संख्या : 125000

अवधि : 9 दिन

मन्त्र सं 36

मुकदमे में सफलता के लिए मन्त्र

ॐ दं ॐ

पूजन सामग्री : कुमकुम , धुप ,दीप,नैवेद्य,पुष्प

साधना सामग्री : गुरु यन्त्र , गुरु फोटो , स्फाटिक की माला

साधना दिवस : गुरु वार

साधना समय : नवरात्रि के दिन को कोई भी समय

आसन रंग : पीला

दिशा : उतर

जप संख्या : 125000

अवधि : 9 दिन

मन्त्र सं 37

ऋण मुक्ति के लिए मन्त्र

ॐ गं ॐ

पेज सं -25

पूजन सामग्री : कुमकुम , धुप ,दीप,नैवेद्य,पुष्प

साधना सामग्री : गुरु यन्त्र , गुरु फोटो , स्फाटिक की माला

साधना दिवस : गुरु वार

साधना समय : नवरात्रि के दिन को कोई भी समय

आसन रंग : पीला

दिशा : उतर

जप संख्या : 125000

अवधि : 9 दिन

मन्त्र सं 38

यश प्राप्ति के लिए मन्त्र

ॐ क्षम ॐ

पूजन सामग्री : कुमकुम , धुप ,दीप,नैवेद्य,पुष्प

साधना सामग्री : गुरु यन्त्र , गुरु फोटो , स्फाटिक की माला

साधना दिवस : गुरु वार

साधना समय : नवरात्रि के दिन को कोई भी समय

आसन रंग : पीला

दिशा : उतर

जप संख्या : 125000

अवधि : 9 दिन

पेज सं -26

मन्त्र सं 39

विद्या प्राप्ति के लिए मन्त्र

ॐ ऐं ॐ

पूजन सामग्री : कुमकुम , धुप ,दीप,नैवेद्य,पुष्प

साधना सामग्री : गुरु यन्त्र , गुरु फोटो , स्फाटिक की माला

साधना दिवस : गुरु वार

साधना समय : नवरात्रि के दिन को कोई भी समय

आसन रंग : पीला

दिशा : उतर

जप संख्या : 125000

अवधि : 9 दिन

मन्त्र सं 40

सम्मान प्राप्ति के लिए मन्त्र

ॐ इं ॐ

पूजन सामग्री : कुमकुम , धुप ,दीप,नैवेद्य,पुष्प

साधना सामग्री : गुरु यन्त्र , गुरु फोटो , स्फाटिक की माला

साधना दिवस : गुरु वार

पेज सं -27

साधना समय : नवरात्रि के दिन को कोई भी समय

आसन रंग : पीला

दिशा : उतर

जप संख्या : 125000

अवधि : 9 दिन

मन्त्र सं 41

सम्मोहन के लिए मन्त्र

ॐ हरौम ॐ

पूजन सामग्री : कुमकुम , धुप ,दीप,नैवेद्य,पुष्प

साधना सामग्री : गुरु यन्त्र , गुरु फोटो , स्फाटिक की माला

साधना दिवस : गुरु वार

साधना समय : नवरात्रि के दिन को कोई भी समय

आसन रंग : पीला

दिशा : उतर

जप संख्या : 125000

अवधि : 9 दिन

पेज सं -28

मन्त्र सं 42

सन्तान प्राप्ति के लिए मन्त्र

ॐ भं ॐ

पूजन सामग्री : कुमकुम , धुप ,दीप,नैवेद्य,पुष्प

साधना सामग्री : गुरु यन्त्र , गुरु फोटो , स्फाटिक की माला

साधना दिवस : गुरु वार

साधना समय : नवरात्रि के दिन को कोई भी समय

आसन रंग : पीला

दिशा : उतर

जप संख्या : 125000

अवधि : 9 दिन

मन्त्र सं 43

धनदा मन्त्र

ॐ ह्रीं धनदा लक्षमी मम गृह धन पूरे स्वाहा

पूजन सामग्री : कुमकुम , धुप ,दीप,नैवेद्य,पुष्प

साधना सामग्री : धनदा यन्त्र , धनदा फोटो , मूँगे की माला

साधना दिवस : शुक्रवार या रविवार

साधना समय : दिन को कोई भी समय

आसन रंग : लाल

दिशा : उतर

पेज सं -29

जप संख्या : 125000

अवधि : 21 दिन

मन्त्र सं 44

भाग्योदय के लिए मन्त्र

ॐ ह्रीं पूर्ण भाग्योदयं कुरु ॐ नारायणाय नमः

पूजन सामग्री : कुमकुम , धुप ,दीप,नैवेद्य,पुष्प

साधना सामग्री : नारायणा यन्त्र , नारायणा फोटो , स्फाटिक की माला

साधना दिवस : गुरुवार

साधना समय : शुक्ल पक्ष के रात को कोई भी समय

आसन रंग : पीला

दिशा : उतर

जप संख्या : 11 माला रोज

अवधि : 15 दिन

मन्त्र सं 45

ग्रह दोष के लिए मन्त्र

ॐ चं चन्द्र मोलेश्वर नमः

पूजन सामग्री : कुमकुम , धुप ,दीप,नैवेद्य,पुष्प

पेज सं -30

साधना सामग्री : 1 पंच रुद्राक्ष , रुद्राक्ष की माला

साधना दिवस : शनिवार

साधना समय : रात को कोई भी समय

आसन रंग : पीला

दिशा : उतर

जप संख्या : 11 माला हर शनिवार

अवधि : 11 शनिवार

मन्त्र सं 46

हनुमान चालीसा

पूजन सामग्री : कुमकुम , धुप ,दीप,नैवेद्य,पुष्प

साधना सामग्री : हनुमान यन्त्र , हनुमान फोटो , 40 पुष्प

साधना दिवस : मंगलवार

साधना समय : रात को कोई भी समय

आसन रंग : लाल

दिशा : उतर

जप संख्या : 40 बार रोज

अवधि : 40 दिन

हर जप के बाद एक पुष्प चढ़ाए

हनुमान चालीसा

दोहा **:**

श्री गुरु चरन सरोज रज , निज मनु मुकुरु सुधारि /

बरनऊँ  रधुबर बिमल जासु , जो दायकु फल चारि //

बुद्धिहीन तनु जानिके , सुमिरौ पवन कुमार /

पेज सं -31

बल बुद्धि विद्द्या देहु मोहिं , हरहु कलेस बिकार //

चौपाई **:**

 जय हनुमान ज्ञान गुण  सागर / जय कपीस तिहुँ लोक उजागर //

राम दूत अतुलित बल धामा / अंजनि पुत्र पवनसुत नामा //

महाबीर बिक्रम बजरंगी / कुमति निवार सुमति के संगी //

कंचन बरन बिराज सुबेसा / कानन कुंडल कुंचित केसा //

हाथ ब्रज औ ध्वजा बिराजै / काँधे मूँज जनेऊ साजै //

संकर सुवन केसरीनंदन / तेज प्रताप महा जग बंदन //

बिद्यावान गुनी अति चातुर / राम काज करिबे को आतुर //

प्रभु चरित्र सुनिबे को रसिया / राम लषन सीता मन बसिया //

सूक्ष्म रूप धरि सियहिं दिखावा /बिकट रूप धरि लंक जरावा //

भीम रूप धरि असुर सँहारे / रामचन्द्र के काज सँवारे //

लाय सजीवन लखन जियाये /श्रीरधुबीर हरषि उर लाये //

रधुपति कीन्ही बहुत बड़ाई / तुम मम प्रिय भरतहि सम भाई //

सहस बदन तुम्हरो जस गावैं / अस कहिं श्रीपति कंठ लगावैं //

सनकादिक ब्रह्मादि मुनीसा /नारद सारद सहित अहीसा //

जम कुबेर दिगपाल जहाँ ते / कबि कोबिद कहि सके कहाँ ते //

तुम उपकार सुग्रीवहिं कीन्हा / राम मिलाय राज पद दीन्हा //

तुम्हरो मंत्र बिभीषन माना / लंकेस्वर भए सब जग जाना //

जग सहस्त्र जोजन पर भानू / लील्यो ताहि मधुर फल जानू  //

प्रभु मुद्रिका मेलि मुख माहीं / जलधि लाँधि गये अचरज नाहीं //

दुर्गम काज जगत के जेते / सुगम अनुग्रह तुम्हरे तेते //

राम दुआरे तुम रखवारे / होत न आज्ञा बिनु पैसारे //

सब सुख लहै तुम्हारी सरना /तुम रच्छक काहू को डर ना //

आपन तेज सम्हारो आपै / तीनों लोक हाँक तें कांपै //

भूत पिसाच निकट नहिं आवै / महाबीर जब नाम सुनावै //

नासै रोग हरै सब पीरा /जपत निरन्तर हनुमत बीरा //

संकट तें हनुमान छुड़ावै / मन क्रम बचन ध्यान जो लावै //

सब पर राम तपस्वी राजा / तिन के काज सकल तुम साजा //

और मनोरथ जो कोइ लावै / सोइ अमित जीवन फल पावै //

पेज सं -32

चारों जग परताप तुम्हारा / है परसिद्ध जगत उजियारा //

साधु संत के तुम रखवारे / असुर निकंदन राम दुलारे //

अष्ट सिद्धि नौ निधि के दाता / अस बर दीन जानकी माता //

राम रसायन तुम्हरे पासा / सदा रहो रधुपति के दासा //

तुम्हरे भजन राम को पावै / जनम जनम के दुख बिसरावै //

अंत काल रधुबर पुर जाई / जहाँ जन्म हरी-भक्त कहाई //

और देवता चित न धरई / हनुमत सेइ सर्ब सुख करई //

संकट कटै मिटै सब पीरा / जो सुमिरै हनुमत बलबीरा //

जै जै जै हनुमान गोसाई / कृपा करहु गुरु देव की नाई //

जो सत बार पाठ कर कोई / छुटहि बंदि महा सुख होई //

जो यह पढ़ै हुनमान चालीसा / होय सिद्धि साखी गौरीसा //

तुलसीदास सदा हरि चेरा / कीजै नाथ ह्रदय महँ डेरा //

दोहा **:**

पवनतनय संकट हरन , मंगल मूरति रूप / राम लखन सीता सहित , हृदय बसहु सुर भूप //

**//** इति **//**

मन्त्र सं 47

**सहस्त्राक्षरी** मन्त्र

पूजन सामग्री : कुमकुम , धुप ,दीप,नैवेद्य,पुष्प

साधना सामग्री : **सहस्त्राक्षरी** यन्त्र , **सहस्त्राक्षरी** फोटो , कमलगट्टे की माला

साधना दिवस : होली या दिवाली

साधना समय : रात को कोई भी समय

आसन रंग : पीला

दिशा : उतर

पेज सं -33

जप संख्या : 11 माला रोज

**अवधि : 1 दिन**

सहस्त्राक्षरी सिद्ध लक्ष्मी महाविद्या मन्त्र  
विनियोग : ॐ अस्य श्री सर्व महाविद्या महारात्रि गोपनीय मन्त्र रहस्याति मयी पराशक्ति श्री मदाद्या भगवती सिद्ध लक्ष्मी सहस्त्राक्षरी सहस्त्र रूपाणि महाविद्या श्री इन्द्र ऋषि गायत्र्यादी नानाछन्दांसि , नव कोटि शक्ति रूपा श्री मदाद्य भगवती सिद्ध लक्ष्मी देवता श्री मदाद्य सिद्ध लक्ष्मी प्रसादादखिलेष्टर्थ जपे पाठे विनियोगः /  
  
मन्त्र : ॐ ऐं ह्रीं श्रीं ह सौ श्रीं ऐं ह्रीं क्लीं सौ; सौ;ॐ ऐं ह्रीं क्लीं श्रीं जय जय महालक्ष्मी,जगदाद्ये , विजये ,सुरा सुर त्रिभुवन निदाने , दयां करे सर्व देव तेजो रूपिणी विरंचि संस्थिते , विधि वरदे , सच्चिदानन्दे , विष्णु देह आवृते , महामोहिनी , नित्य वरदान तत्परे महा सुधाब्धि बासिनि , महातेजो धारिणी सर्वाधारे , सर्व कारण कारिणे , अचिन्त्य रुपे , इन्द्रादि सकल निर्जर सेविते , साम गान गायन परिपुणोदय कारिणी विजये  , जयन्ती अपराजिते , सर्व सुन्दरी , रकतांशुके ,सूर्य कोटि सकांशे , चंद्र कोटि सुशीतले  , अग्नि कोटि दहन शीले , याम कोटि वहन  शीले ,

ॐकार  नाद  विन्दु रूपिणी , निगमागम भागदायिनी , त्रिदश राज्य

दायिनी , सर्व स्त्री रत्न स्वरूपिणी , दिव्य देहिनी , निर्गुणे सगुणे , सद  सद  रूप धारिणी , सुर वरदे , भक्त त्राण तत्परे , बहु बरदे , सहस्त्राक्षरे , अयुताक्षरे  सप्त कोटि लक्ष्मी रूपिणी , अनेक लक्ष लक्ष स्वरुपे अनन्त कोटि ब्रह्मांड नायिके चतुविशंति मुनि जन संस्थिते , चतुर्दश भुवन भाव विकारिने गगन वाहिनी , नाना मन्त्र राज विराजिते सकल सुन्दरी गण सेविते , चरणारबिंद्र , महात्रिपुर सुन्दरि ,

पेज सं -34

कामेशदयिते करुणा रस कल्लोलिनी , कल्प वृक्षादि स्थिते ,चिन्तामणि दव्य मध्यावस्थिते , मणि मन्दिरे निवासिनी , विष्णु वक्ष स्थल कारिणे , अजिते , अमले , अनुपम चरिते , मुक्ति क्षेत्राधष्ठायिनी प्रसीद प्रसीद , सर्व मनोरथान पूरय पूरय , सर्वारिष्टान छेदय छेदय सर्व ग्रह  पीड़ा ज्वराग्र भय विध्वंसय विध्वंसय , सर्व त्रिभुवन जातं वशय वशय , मोक्ष मार्गणी दर्शय दर्शय ज्ञान मार्ग प्रकाशय प्रकाशय , अज्ञान तमो नाशय नाशय , धन धान्यादि वृद्धि कुरु कुरु , सर्व कल्याणनि कल्पय कल्पय मां रक्ष रक्ष , सर्वायदभ्यो निस्तारय निस्तारय , वज्र शरीरं साधय साधय ह्री सहस्त्राक्षरी सिद्ध लक्ष्मी महा विद्यायै नमः /

मन्त्र सं 48

सम्मोहन मन्त्र

ॐ हरौम रंभा उर्वशी मम आज्ञा पालय वशमानाय हरौम फट

पूजन सामग्री : कुमकुम , धुप ,दीप,नैवेद्य,पुष्प

साधना सामग्री : स्फटिक की माला

साधना दिवस : शुक्रवार

साधना समय : रात को कोई भी समय

आसन रंग : पीला

दिशा : उतर

जप संख्या : 2 1 माला हर रोज

अवधि : 21दिन

पेज सं -35

मन्त्र सं 49

लघु महामृत्युंजय मन्त्र

ॐ जूँ स:

पूजन सामग्री : कुमकुम , धुप ,दीप,नैवेद्य,पुष्प

साधना सामग्री : 1 पंच रुद्राक्ष , रुद्राक्ष की माला

साधना दिवस : कोई भी दिन

साधना समय : रात को कोई भी समय

आसन रंग : पीला

दिशा : उतर

जप संख्या : 12500

अवधि : 11 दिन

मन्त्र सं 50

महामृत्युंजय मंत्र

ॐ त्र्यंबक यजमहे सुगन्धि पुष्टिवर्धनम उर्वारुकमिव **बन्धनान्मृ त्योर्मुक्षीय मामृतात्**

पूजन सामग्री : कुमकुम , धुप ,दीप,नैवेद्य,पुष्प

साधना सामग्री : 1 पंच रुद्राक्ष , रुद्राक्ष की माला

साधना दिवस : कोई भी दिन

साधना समय : रात को कोई भी समय

आसन रंग : पीला

दिशा : उतर

जप संख्या : 12500

पेज सं -36

अवधि : 5 1 दिन

मन्त्र सं 51

नवग्रह के लिए मन्त्र

ॐ सकन्द मताये नमः

पूजन सामग्री : कुमकुम , धुप ,दीप,नैवेद्य,पुष्प

साधना सामग्री : हवन सामग्री

साधना दिवस : शनिवार

साधना समय : रात को कोई भी समय

आसन रंग : पीला

दिशा : उतर

जप संख्या : 108 बार

अवधि : प्रत्येक शनिवार

पेज सं -37

**प्रमुख मन्त्र दीक्षा**

**1. गुरु दीक्षा-पहली दीक्षा से शिष्य बनना।  
2. ज्ञान दीक्षा- असाधारण ज्ञान प्राप्त करने और प्रतिभा में वृद्धि करने के लिए।  
3. जीवन मार्ग दीक्षा- जीवन को जीवंत बनाने के लिए।  
4. शाम्भवी दीक्षा- "शिवत्व" प्राप्त कर "शिवमाया" प्राप्त करना।  
5. चक्र जागरण दीक्षा- सभी "शत चक्रों" (छह चक्र) को जगाने की दीक्षा।  
6. विद्या दीक्षा- एक साधारण बच्चे को बुद्धिमान प्राणी में बदलना।  
7. शिष्याभिषेक दीक्षा- पूर्ण शिष्य बनने के लिए स्वयं का पूर्ण समर्पण।  
8. आचार्याभिषेक दीक्षा- ज्ञान की समग्रता प्राप्त करने के लिए।  
9. कुण्डलिनी जागरण दीक्षा- सात चरणों वाली इस दीक्षा से असाधारण व्यक्तित्व प्राप्त किया जा सकता है।  
10. गर्भस्थ शिशु चैतन्य दीक्षा- गर्भ में संतान को प्रबुद्ध करने के लिए।**

**पेज सं -38**

**11. शक्तिपात युक्त कुंडलिनी जागरण दीक्षा- जीवन के "परम सत्य" को प्राप्त करने के लिए गुरु की तप-ऊर्जा को शिष्य के शरीर में स्थानांतरित करना।   
12. कुण्डलिनी जागरण दीक्षा चित्र के द्वारा- कुण्डलिनी जागरण दीक्षा शिष्य के चित्र पर प्राप्त होती है।**

**13. धन्वंतरि दीक्षा- स्वास्थ्य की उत्तम स्थिति प्राप्त करने के लिए।**

**14. साबर दीक्षा- तांत्रिक साधना में सफलता पाने के लिए।  
15. सम्मोहन दीक्षा- शरीर में असाधारण आकर्षण प्राप्त करने के लिए।  
16. संपूर्ण सम्मोहन दीक्षा- सभी को आकर्षित करने की कला प्राप्त करना।  
17. महालक्ष्मी दीक्षा- धन लाभ और समृद्धि प्राप्त करने के लिए।  
18. कनकधारा दीक्षा- धन के निरंतर प्रवाह के लिए दीक्षा।  
19. अष्ट लक्ष्मी दीक्षा- असामान्य ऐश्वर्य प्राप्त करने वाली विशेष दीक्षा।  
20. कुबेर दीक्षा- स्थायी रूप से धन और समृद्धि प्राप्त करने के लिए।**

**21. इंद्र वैभव दीक्षा- प्रसिद्धि और धन प्राप्त करने के लिए।  
22. शत्रु संहारक दीक्षा- शत्रुओं पर विजय पाने के लिए।  
पेज सं -39**

**23. अप्सरा दीक्षा- सिद्ध को (नियंत्रित करने के लिए) एक अप्सरा।  
24. ऋण मुक्ति दीक्षा- कर्ज से मुक्ति पाने के लिए।  
25. शतोपंथी दीक्षा- भगवान शिव की असाधारण शक्ति प्राप्त करने के लिए।  
26. चैतन्य दीक्षा- एक दीक्षा शक्ति प्रदान करने और पूर्ण ज्ञान प्राप्त करने के लिए।  
27. उर्वशी दीक्षा- यौवन प्राप्त करने और वृद्धावस्था से छुटकारा पाने के लिए।  
28. सौंदर्योत्तमा दीक्षा- सौंदर्य बढ़ाने के लिए।  
29. मेनका दीक्षा- जीवन में शारीरिक सफलता प्राप्त करने के लिए।  
30. स्वर्णप्रभा यक्षिणी दीक्षा- अप्रत्याशित धन की प्राप्ति के लिए।  
31. पूर्ण वैभव दीक्षा- सभी प्रकार के ऐश्वर्य और धन की प्राप्ति के लिए।  
32. गंधर्व दीक्षा - संगीत में पूर्णता प्राप्त करने के लिए।  
33. साधना दीक्षा - पिछले जन्म की साधना को इस जन्म से जोड़ने के लिए।  
34. तंत्र दीक्षा - तांत्रिक साधनाओं में सफलता पाने के लिए।  
35. बगलामुखी दीक्षा- शत्रुओं पर विजय पाने के लिए।  
36. रासेश्वरी दीक्षा - रसायन विज्ञान और पारा विज्ञान में पूर्णता पेज सं -40**

**प्राप्त करने के लिए।  
37. अघोर दीक्षा - शिव साधनाओं में पूर्ण सफलता प्राप्त करने के लिए।  
38. शिघ्र विवाह दीक्षा - शीघ्र विवाह के लिए।  
39. सम्मोहन दीक्षा - तीन चरणों वाली एक महत्वपूर्ण दीक्षा।  
40. वीर दीक्षा - वीर साधना करना।**

**41. सोंदर्य दीक्षा- दुर्लभ सौन्दर्य की प्राप्ति के लिए।  
42. जगदम्बा सिद्धि दीक्षा- देवी जगदम्बा को प्रसन्न करने के लिए।  
43. ब्रह्म दीक्षा- दैवीय शक्तियों को प्राप्त करने के लिए।  
44. स्वास्थ्य दीक्षा- रोगमुक्त स्वास्थ्य की प्राप्ति के लिए।  
45. कर्ण पिसाचिनी दीक्षा- किसी व्यक्ति के अतीत और वर्तमान को जानने के लिए।  
46. ​​सर्प दीक्षा - सर्प दंश से मुक्ति और जीवन सुरक्षा के लिए।  
47. नवर्ण दीक्षा- सिद्ध (नियंत्रण) त्रिशक्ति (त्रिशक्ति) को।  
48. गर्भस्थ शिशु कुंडलिनी जागरण दीक्षा - गर्भ में संतान को एक अलौकिक के संस्कार मिलते हैं।  
49. चाक्षुषमती दीक्षा- आंखों की रोशनी बढ़ाने के लिए।  
50. काल ज्ञान दीक्षा - काल (काल) का ज्ञान प्राप्त करने के लिए।  
51. तारा योगिनी दीक्षा- अप्रत्याशित धन की प्राप्ति के लिए।  
पेज सं -41**

**52. रोग निवारण दीक्षा- सभी रोगों से मुक्ति पाने के लिए।  
53. पूर्णतव दीक्षा- जीवन में समग्रता प्राप्त करने के लिए दीक्षा।  
54. वायु दीक्षा - अपने आप को हवा की तरह हल्का बनाने के लिए।  
55. क्रिया दीक्षा- किसी को पूरी तरह से बर्बाद करने के लिए सिद्धि प्राप्त करना।  
56. भूत दीक्षा- भूतों को पूरी तरह से नियंत्रित करने की दीक्षा।  
57. आज्ञा चक्र जागरण दीक्षा- दुर्लभ दृष्टि प्राप्त करने के लिए।  
58. जनरल वैताल दीक्षा- वैताल पर नियंत्रण पाने के लिए।  
59. विशेष वैताल दीक्षा- वैताल पर पूर्ण नियंत्रण पाने के लिए।  
60. पंचांगुली दीक्षा- हस्तरेखा में सिद्धि प्राप्त करने के लिए।  
61. अनंग रति दीक्षा - सौंदर्य और युवा शक्ति प्राप्त करने के लिए।  
62. कृष्णतव गुरु दीक्षा - विश्व के आध्यात्मिक गुरुओं की शक्तियाँ प्राप्त करने के लिए।  
63. हेरम्ब दीक्षा - भगवान गणपति को प्रसन्न करने के लिए।  
64. हादी-कादी दीक्षा - नींद, भूख और प्यास पर नियंत्रण पाने के लिए।  
65. आयुर्वेद दीक्षा- आयुर्वेद के क्षेत्र में विशेष उपलब्धि प्राप्त करना।  
पेज सं -42**

**66. वराहमिहिर दीक्षा - ज्योतिष के क्षेत्र में विशेष उपलब्धि प्राप्त करना।  
67. तंत्रोक्त गुरु दीक्षा - आध्यात्मिक गुरु (गुरु) से शक्तियाँ प्राप्त करने के लिए।  
68. गर्भ चयन दीक्षा - मनचाहा गर्भ पाने के लिए।  
69. निखिलेश्वरानंद दीक्षा - सन्यासी की विशेष शक्तियाँ प्राप्त करने के लिए।  
70. दीर्घायु दीक्षा - जीवन की एक बड़ी अवधि पाने के लिए।  
71. आकाश गमन दीक्षा - इस दीक्षा से आत्मा आकाश में भ्रमण करती है।  
72. निर्बीज दीक्षा - जीवन, मृत्यु और कर्म की बेड़ियों को समाप्त करने के लिए।  
73. क्रिया योग दीक्षा - जीव (आत्मा) और ब्रह्मा का ज्ञान प्राप्त करने के लिए।  
74. सिद्धाश्रम प्रवेश दीक्षा - सिद्धाश्रम में प्रवेश का मार्ग प्रशस्त करती है।  
75. सोडा अप्सरा दीक्षा - जीवन में हर प्रकार की सुख-समृद्धि पाने के लिए।  
76. षोडसी दीक्षा - सोलह कलाओं "त्रिपुर सुंदरी" साधना की प्राप्ति के लिए दीक्षा।**

पेज सं -43

**77. ब्रह्मानंद दीक्षा - ब्रह्मांड के अनंत रहस्यों का ज्ञान प्राप्त करने के लिए।  
78. पाशुपतेय दीक्षा - स्वयं को भगवान शिव से मिलाना।  
79. कपिला योगिनी दीक्षा - कपिला योगिनी पर नियंत्रण पाने के लिए।  
80. गणपति दीक्षा - भगवान गणपति को प्रसन्न करने और उनका विशेष आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए।  
81. वाग्देवी दीक्षा - गहराई से बोलने की क्षमता प्राप्त करना।  
वास्तव में यह अच्छे भाग्य से ही होता है कि व्यक्ति दीक्षा प्राप्त करने में सक्षम होता है, और उसके निर्देशों का पालन करके अपने गुरु के करीब आने की प्रक्रिया शुरू की जाती है।**

**किसी भी मन्त्र सिद्धि के लिए अपने गुरु , इष्ट और अपने ऊपर विश्वास करना जरूरी हैं बिना विश्वास और श्रद्धा के मन्त्र सिद्धि संभव नहीं हैं |**

पेज सं -44

**NOTE**